यू. पी. सिंह, भा.प्र.से.
सचिव
U. P. Singh, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110 011
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI - 110 011

संदेश

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं !

हिंदी न केवल भारत के संविधान द्वारा स्वीकृत राजभाषा है बल्कि भारतीय जनमानस के रीति-रिवाजों, विचारों और यहां की सभ्यता-संस्कृति की जीवंत परंपराओं की भी परिचायक है। यह देश के अधिकांश भू-भाग में प्रमुखता से बोली और समझी जाने वाली एक लोकप्रिय भाषा है। हिंदी की इसी समृद्धिशीलता ने विविधता में एकता का कार्य किया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी के इसी महत्व को समझते हुए 14 सितंबर,1949 को इसे संवैधानिक दर्जा देकर गौरव प्रदान किया।

हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किए जाने का उद्देश्य यही था कि समस्त सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में किए जाएं। कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के समुचित कार्यांवयन के लिए बहुत से नियम और अधिनियम बनाए गए हैं। अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु बहुत सी प्रोत्साहन योजनाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। परंतु इतने प्रावधानों और व्यवस्थाओं के बावजूद अभी भी लोग सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को लेकर सहज नहीं हैं। हमें यह समझना चाहिए कि वस्त्र क्षेत्र का अधिकांश काम-काज देश के आम नागरिकों से जुड़ा हुआ है। हम अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को उन तक प्रभावी रूप से तभी पहुंचा पाएंगे जब हम अपना सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हिंदी में काम करना अब काफी आसान हो गया है। विभिन्न उपकरणों और हिन्दी सॉफ्टवेयरों के उपलब्ध हो जाने से अब अंग्रेजी जानने वाले अधिकारी/कर्मचारी भी अपना सरकारी काम-काज बेझिझक हिन्दी में कर सकते हैं। सकारात्मक सोच और प्रतिबद्धता के साथ हिंदी में काम करने का प्रयास करके ही हम कार्यालयों में हिंदी में काम को बढ़ावा दे सकते हैं।

हिंदी दिवस के अवसर पर वस्त्र मंत्रालय तथा इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों में हिंदी सप्ताह/हिंदी पखवाड़ा/ हिंदी माह आदि का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। मुझे आशा है कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इन प्रतियोगिताओं में ऊर्जा और उत्साह के साथ भाग लेंगे। मैं अपेक्षा करता हूँ कि आप सभी सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करेंगे और इसे निरंतर बढ़ावा देते हुए भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

उपेन्द्र

14 सितंबर, 2021

(उपेन्द्र प्रसाद सिंह)

Tel. : +91-11-23061769, +91-11-23063644 Fax : +91-11-23063681 E-mail : secy-textiles@nic.in